SHRI SUKOMAL SEN: Madam Deputy Chairman, the hon. Minister has presented a very dismal picture of the present position of the shipping company. You know that many ships of the company are lying idle both in Bombay and Calcutta ports and the crews are not getting their salaries and the hon. Minister might have known that they have decided to wind up their office in Calcutta. I do not know what will happen to the staff. Now, I would like the hon. Minister to go back to the recent past as to what has happened to the Moghul lines. The Moghul lines suffered the same fate and they were running in losses and they were in doldrums. Ultimately, the Government decided to nationalise it and merged it with the Shipping Corporation of India. Otherwise, there was no possibility of keeping the company in a viable state whatever Committees they may appoint, whatever financial help they may offer to them. I would like to know what is the difficulty in following the same line which the Government has followed in the case of Moghul Lines in nationalising it and merging it with the Shipping Corporation of India so that the staff, the crew and the company's business remain intact?

SHRI RAJESH PILOT: I think, my senior colleague, Mr Narayan Datt Tiwari can give a more better solution for this as to what is the problem financially to nationalist the shipping company.

Toofan Express

*224. SHRI BHUVNESH CHATURVEDI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to extend the Toofan Express, which runs from Howrah to Delhi, upto Kota in Rajasthan; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI NIRMAL CHATTERJEE): (a) No, Madam.

(b) Does not arise.

SHRI BHUVNESH CHATURVEDI: I would like to know from the hon. Minister has any survey or study been made by the Railway about passenger traffic from Kota to Delhi and if so, is the hon. Minister convinced about the need of additional rail service on this route?

श्री पशुपति नाथ सुकुल : उपसभापति महोदया, यह तूफान एक्सप्रेस बहुत पुरानी गाड़ी है। यह एक मात्र सीधी गाड़ी है जो दिल्ली और कलकत्ता के बीच में आगरा, मथुरा होकर आती है। यह बहुत पुरानी गाड़ी है।

SHRI NIRMAL CHATTERJEE: Let me answer it. At the time of introduction, it was one of the fastest trains. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing you, Mr. Chatterjee.

श्री पशुपति नाथ सुकुल : जैसा मैंने कहा यह अकेली सीधी गाड़ी है जो आगरा-मथुरा, होकर दिल्ली आती है। आगरा, मथुरा ग्वालियर, धौलपुर, भरतपुर इलाके से जो लोग कलकत्ता जाना चाहते हैं उनके लिये यह एकमात्र सीधी गाड़ी है और यही इस गाड़ी का सबसे बड़ा महत्व है, ग्रदरवाइज यह टाइम ज्यादा लेती है क्योंकि कलकत्ता यहां आने में यह चक्कर लगाकर आती है। उपसभापति महोदया, लेकिन आगरा, मथुरा और वृन्दावन जो पर्यटक जाते हैं, जो हमारे वहां पर उद्योगपति जाते हैं, जो सम्पन्न लोग जाते हैं उनके सामने दो समस्यायें आती हैं। एक तो इस गाड़ी में ए०सी० फर्स्ट क्लास की बोगी नहीं है। इसलिये जो लोग इसमें यात्रा भी करना चाहते हैं वे यात्रा नहीं करते हैं, इतनी प्रेस्टिजियश ट्रेन होते हुए भी इसमें ए० सी० फर्स्ट क्लास का प्रोविजन नहीं है। दूसरा लोग यह समझते हैं कि इसकी स्पीड और तेज की जा सकती है इसकी गति सीमा को बढ़ाया जा सकता है। तो क्या माननीय मंत्री जो इस

को बोगी और उसकी गति सीमा को बढ़ाने पर विचार करेंगे ?

श्री माधव राव सिंधिया : माननीय सदस्य के दोनों सुझावों पर विचार अवश्य किया जायेगा ।

श्री नत्था सिंह : उपसभापति महोदया, आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि कलकत्ता से दिल्ली के लिये तूफान एक्सप्रेस जो चलती है वह गाड़ी लाइन साफ न होने के कारण दो घंटे आगरा में खड़ी रहती है । दूसरी बात माननीय उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आगरा फोर्ट से ईगदाह और सीकरी फतेहपुर जहां कि ज्यादा से ज्यादा टूरिस्ट उतरते हैं, फतेहपुर सीकरी पर, फतेहपुर सीकरी से बयाना और बयाना से भरतपुर और मथुरा होते हुए दिल्ली आए यानि ढाई घंटे तूफान एक्सप्रेस गाड़ी जो आगरा में पड़ी रहती है वह बयाना हो कर मथुरा आ सकती है । इसलिए मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं जो बात मैं कह रहा हूं इस पर आप ध्यान देंगे और यदि ध्यान देंगे तो कब तक देंगे !

श्री माधव राव सिंधिया : माननीया, जहां तक मेरी जानकारी है ट्रेन दो घंटे आउरा में नहीं रुक सकती और माननीय सदस्य का जो सुझाव है वह व्यवहारिक नहीं है ।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : उपसभापति महोदया, तूफान एक्सप्रेस गाड़ी का जिस समय नामकरण किया गया था उस समय यह वास्तव में तूफान गाड़ी थी लेकिन आज यह गाड़ी साधारण हवा के समान भी नहीं चलती है । या तो मंत्री महोदय इस गाड़ी की स्पीड तूफान जैसी जैसे पहले सब से फास्टेस्ट थी उस रूप में ले आ या इस गाड़ी का नाम बदली करें तब तो शायद इसका कुछ निराकरण कर सकेंगे । **(व्यवधान)**

उपसभापति : आपको किसी दूसरे नाम का सुझाव देना है क्या ?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : सुझाव तो दें लेकिन जब इसका नाम तूफान एक्सप्रेस है तो यह साधारण गाड़ी की तरह लेट चल रही है और यदि किसी साधारण गाड़ी के रूप में इसका नामकरण कर दिया गया तो यह गाड़ी और भी बेकार हो जाएगी । जिस तरह से यह गाड़ी मथुरा, वृंदावन होते हुए जाती है उसी तरह से हिन्दुस्तान का सब से बड़ा तीर्थस्थल देवघर है जहां सावन में प्रतिदिन एक लाख तीर्थ यात्री जाते हैं । **(व्यवधान)**

उपसभापति : आप तो तूफान जैसे चल रहे हैं, आप अब सवाल पूछिए । **(व्यवधान)**

एक माननीय सदस्य : इन पर सवाल का असर हो गया है । **(व्यवधान)**

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : सवाल यह है कि यह गाड़ी इतने तीर्थ स्थानों को छू कर जाती है इसकी इसी रूप में परिचालन भी होना चाहिए वह नहीं हो रहा है। सचमुच में जितने तीर्थस्थलों को टच कर के यह गाड़ी जाती है उन तीर्थ स्थलों के हिसाब से इस गाड़ी का नामकरण भी तथा चालचलन भी हो । **(व्यवधान)**

एक माननीय सदस्य : मन्त्री जी ने कोई उत्तर नहीं दिया ।

Accidental hitting of Air India Jumbo Jet to another Plane at New York Airport

*225. SHRI DHARAM CHANDER PRASHANT:†
SHRI SURESH KALMADI:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an Air India Jumbo Jet hit another plane at New York's John. F. Kennedy airport in June this year;

(b) whether any damage was caused to the aircraft; and

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Dharam Chander Prashant.